भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 345
गुरुवार, दिनांक 08 दिसंबर, 2022 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की स्थापित क्षमता</u>

345. श्री सु. थिरुनवुक्करासर:
श्री फिरोज वरुण गांधी: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की कुल स्थापित क्षमता कितनी है;

(ख) क्या भारत वर्ष 2022 के अंत तक 175 गीगावाट के हरित ऊर्जा लक्ष्य की प्राप्ति की समय-सीमा का पालन नहीं कर पाएगा;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या मंत्रालय वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से 500 गीगावाट की स्थापित क्षमता प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) से (ग): वर्ष 2022 तक 175 गीगावाट अक्षय ऊर्जा स्थापित क्षमता हासिल करने के लक्ष्य की तुलना में दिनांक 31.10.2022 की स्थिति के अनुसार देश में कुल 165.94 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता (बड़ी पन बिजली सहित) स्थापित की गई है। इसके अलावा, 76.13 गीगावाट क्षमता कार्यान्वयन के विभिन्न स्तरों में है तथा 36.44 गीगावाट क्षमता बोली प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में है।

(घ) और (ङ): कॉप-26 में माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुसार नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से 500 गीगावाट स्थापित विद्युत क्षमता हासिल करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

अभी तक 31.10.2022 की स्थिति के अनुसार देश में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा स्रोतों से कुल 172.72 गीगावाट क्षमता स्थापित की गई है। इसमें 119.09 गीगावाट अक्षय ऊर्जा, 46.85 गीगावाट बड़ी पन बिजली और 6.78 गीगावाट नाभिकीय विद्युत क्षमता शामिल है। यह दिनांक 31.10.2022 की स्थिति के अनुसार देश में कुल स्थापित उत्पादन क्षमता का 42.26 प्रतिशत हिस्सा है अर्थात् 408.71 गीगावाट है।

*****